



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 30 मार्च, 2022

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन

टोगो के राजनयिक 'ग्लिबर्ट एफ. हाँगबो' को 'अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन' (ILO) का अगला महानदिशक नियुक्त किया गया है। हाँगबो को 'अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन' के शासी निकाय द्वारा चुना गया है, जिसमें सरकारों, श्रमिकों और नियोक्ताओं के प्रतिनिधि शामिल थे। उनका पाँच वर्षीय कार्यकाल 01 अक्टूबर, 2022 से शुरू होगा। ज्ञात हो कि यूनाइटेड किंगडम के वर्तमान महानदिशक गाय राइडर, वर्ष 2012 से इस पद पर कार्यरत हैं। 'अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन' (ILO) संयुक्त राष्ट्र की एकमात्र त्रिपक्षीय संस्था है, जिसकी स्थापना वर्ष 1919 में वरसाय की संधिद्वारा राष्ट्र संघ की एक संबद्ध एजेंसी के रूप में की गई थी। यह श्रम मानक निर्धारित करने, नीतियाँ विकसित करने एवं सभी महिलाओं तथा पुरुषों के लिये सभ्य कार्य को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम तैयार करने हेतु 187 सदस्य देशों की सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों को एक साथ लाता है। वर्ष 1946 में ILO, संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध पहली विशिष्ट एजेंसी बनी थी। वर्ष 1969 में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन को नोबेल शांतिपुरस्कार प्रदान किया गया।

स्टॉकहोम जल पुरस्कार

स्टॉकहोम इंटरनेशनल वाटर इंस्टीट्यूट (SIWI) ने वैज्ञानिक और वाष्पीकरण विशेषज्ञ 'वलिफ्रेड ब्रुट्सर्ट' को वर्ष 2022 के 'स्टॉकहोम जल पुरस्कार' से सम्मानित किया है, ज्ञात हो कि इस पुरस्कार को व्यापक तौर पर जल के [नोबेल पुरस्कार](#) के रूप में भी जाना जाता है। प्रोफेसर वलिफ्रेड ब्रुट्सर्ट को यह पुरस्कार 'पर्यावरणीय वाष्पीकरण को मापने में उनके अभूतपूर्व कार्य हेतु प्रदान किया गया है। वलिफ्रेड ब्रुट्सर्ट ने वाष्पीकरण को मापने और पृथ्वी के ऊर्जा संतुलन में इसकी भूमिका को समझने हेतु वधि विकसित की हैं, जिससे इस बात का अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है कि वर्षा किस प्रकार विकसित हो सकती है। यह वधि विशेषज्ञों को यह समझने में मदद कर सकती है कि वर्तमान में कतिना पानी उपलब्ध है और भविष्य में कतिना उपलब्ध होगा। वदिति हो कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल वाटर इंस्टीट्यूट (SIWI) बेहतर जल प्रशासन की वकालत करने हेतु स्थापित एक संस्थान है, जो पछिले 30 वर्षों से 'जल से संबंधित असाधारण उपलब्धियों' के लिये लोगों और संगठनों को इस पुरस्कार से सम्मानित कर रहा है।

वकिंदरीकृत अपशषिट प्रबंधन प्रौद्योगिकी पार्क

भारत सरकार के **वेस्ट टू वेल्थ मशिन** के तहत पूर्वी दलिली नगर नगिम (ईडीएमसी) के सहयोग से 29 मार्च, 2022 को न्यू ज़ाफराबाद, पूर्वी दलिली में नगर पालिका ठोस अपशषिट के ऑनसाइट प्रसंस्करण के लिये **वकिंदरीकृत अपशषिट प्रबंधन प्रौद्योगिकी पार्क (Decentralised Waste Management Technology Park)** का उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य **ज़ीरो वेस्ट और ज़ीरो ऊर्जा** के साथ एक मापनीय (स्केलेबल) ऑनसाइट प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना करना है। प्रौद्योगिकी पार्क एक पायलट परियोजना है, जो अपशषिट प्रबंधन के लिये समाधान प्रदान करती है, इसके अलावा यह नगरपालिका ठोस अपशषिट के अर्द्ध-स्वचालित अलगाव से लेकर साइट पर संघनन और कचरे के उपचार हेतु वकिंदरीकृत अपशषिट प्रसंस्करण के रूपांतरण को भी प्रदर्शित करती है। यह वकिंदरीकृत अपशषिट प्रबंधन प्रौद्योगिकी पार्क 10 टन प्रतिदिन क्षमता के साथ लगभग 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र (वर्तमान में खुले डंपिंग या द्वितीयक संग्रह स्थल के लिये उपयोग किया जाने वाला क्षेत्र) को कवर करता है।

UNEP फ्रंटियर रिपोर्ट 2022

UNEP फ्रंटियर रिपोर्ट 2022 हाल ही में जारी की गई है, जिसका शीर्षक '**नॉइज़, ब्लेज़ एंड मिसमैच (Noise, Blazes and Mismatches)**' है। इस रिपोर्ट में बांग्लादेश के **ढाका** को दुनिया के सबसे शोर वाले शहर के रूप में स्थान दिया गया है, जिसके बाद मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश का स्थान है तथा पाकिस्तान का इस्लामाबाद तीसरे स्थान पर है। दूसरी ओर **जॉर्डन में इरबिड** को **सबसे शांत शहर** के रूप में स्थान दिया गया है जिसके बाद **फ्रांस में ल्यों और सपेन की राजधानी मैड्रिड** का स्थान है। भारतीय के पाँच शहरों- नई दलिली, कोलकाता, जयपुर, आसनसोल और मुरादाबाद को दुनिया के सबसे शोर वाले शहरों में स्थान दिया गया है। फ्रंटियर रिपोर्ट 2022 में कुल 61 शहरों को स्थान दिया गया है जिसमें दक्षिण एशिया से 13, पश्चिम एशिया से 10, यूरोप से 10, दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया और प्रशांत से 11, उत्तरी अमेरिका से 6, अफ्रीका से 7 तथा लैटिन अमेरिका से 4 शहर शामिल हैं। फ्रंटियर रिपोर्ट 2022 ध्वनि प्रदूषण और इसके दीर्घकालिक शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य प्रभावों पर भी ध्यान केंद्रित करती है।

